**भारत सरकार**

**रेल मंत्रालय**

**लोक सभा**

**21.09.2020 के**

**अतारांकित प्रश्न सं. 1642 का उत्तर**

**कराइकल-पेरलम रेल लिंक**

**1642. श्री वी. वैथिलिंगमः**

**क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः**

**(क) राज्य के दक्षिणी भागों को जोड़ने वाले कराइकल से पेरलम तक रेल लिंक की वर्तमान स्थिति क्या है;**

**(ख) क्या उक्त कार्य कराइकल में दिसंबर 2020 में मनाए जाने वाले प्रसिद्ध "सानी पेयराची" त्योहार के पूर्व पूर्ण होने की संभावना है; और**

**(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?**

**उत्तर**

**रेल और वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री (श्री पीयूष गोयल)**

**(क) से (ग): एक विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।**

******

Sk

**कराइकल-पेरलम रेल लिंक के संबंध में दिनांक 21.09.2020 को लोक सभा में श्री वी. वैथिलिंगम के अतारांकित प्रश्न सं. 1642 के भाग (क) से (ग) के उत्तर से संबंधित विवरण।**

**(क): कराइकल पहले से ही रेलवे नेटवर्क से जुड़ा हुआ है जिसमें तिरुवरुर के रास्ते पेरलम भी शामिल है।**

**कराइकल से पेरलम के बीच अतिरिक्त सीधी संपर्कता प्रदान करने के लिए, जनवरी, 2019 में 177.69 करोड़ रु. की लागत से तिरुचिरापल्ली-तंजावुर-नागौर-कराइकल आमान परिवर्तन परियोजना के लिए वस्तुपरक संशोधन के रूप में 23 किमी लंबी नई लाइन के कार्य को मंजूरी दी गई थी। भूमि अधिग्रहण के दस्तावेज सितंबर, 2019 में राज्य सरकार को सौंप दिए गए हैं। शत प्रतिशत भूमि मिलने के बाद निष्पादन कार्य शुरू किया जाएगा।**

**(ख) और (ग): किसी भी परियोजना का पूरा होना राज्य सरकार द्वारा शीघ्र भूमि अधिग्रहण, बाधक जनोपयोगी उपयोगिताओं का स्थानांतरण, विभिन्न प्राधिकरणों से सांविधिक स्वीकृतियां, क्षेत्र की भौगोलिक और स्थलाकृतिक स्थिति, परियोजना साइट के क्षेत्र में कानून एवं व्यवस्था की स्थिति, जलवायु परिस्थितियों के कारण परियोजना विशेष की साइट के लिए वर्ष में कार्य के महीनों की संख्या आदि जैसे विभिन्न कारकों पर निर्भर करता है। ये सभी कारक परियोजना के समापन समय को प्रभावित करते हैं। इसलिए, इस स्थिति में परियोजनाओं को पूरा करने की निश्चित समय-सीमा निर्धारित नहीं की जा सकती है।**

******

Sk